ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 1025 **Mobile Number :** 9428502456 **Receipt No. :** A0128
Member Name : पू.आचार्य भ. विजय जगचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. **Total Issued :** 547
Address : 11, भुवनेश्वरपार्क सोसायटी, नारणपुरा क्रोसींग, नारणपुरा
Issue Date : 14/06/2022 **Last Date :** 12/09/2022

Vargank No.	Kruti Name
XC02771	चंद्रकांत (भाग-1) (वेदान्त तत्त्वज्ञाननो मुखग्रंथ)
XC02770	चंद्रकांत (भाग-2) (वेदान्त तत्त्वज्ञाननो मुखग्रंथ) सचित्र
XC02790	चंद्रकांत (भाग-3) वेदान्त तत्त्वज्ञाननो मुखग्रंथ
XC03076	आधुनिक चिंतन में वेदान्त
XC03175	अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका
XC00402	द्वादशार नयचक्र का दार्शनिक अध्ययन
AB00042	द्रव्यानुयोग भाग-1 (गुजराती भाषांतर साथे 14 अध्य. संक. मूळपाठ)
AB01266	द्रव्यानुयोग भाग-3
XC01486	जैन दर्शन मनन और मीमांसा
XC00066	आगमयुग का जैनदर्शन
XB01480	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-1 (स्वोपज्ञ टबार्थ युक्त)
XB01481	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-2 (स्वोपज्ञ टबार्थ युक्त)
XB01482	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-2 (स्वोपज्ञ टबार्थ युक्त) अध्यात्म अनुयोग
XB01483	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-3 (स्वोपज्ञ टबार्थ युक्त)
XB01484	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-4 (स्वोपज्ञ टबा युक्त)
XB01485	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-5 (स्वोपज्ञ टबार्थ युक्त)
XB01486	द्रव्य गुण पर्यायनो रास भाग-6 (स्वोपज्ञ टबार्थ युक्त)

Notes : DHANERA
XC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - आगम विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - आगम विभाग, वास

Book Received By Book Issue By

संस्थाना नियमो :
1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु करावबु अनिवार्य छे.
3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किंमत करता वधु होई शके छे.